हरिभूमि - कांकेर भूमि

रायपुर, सोमवार 20 अप्रैल 2026

तापमान

अधिकतम 37.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

12 चारामा में डिप्टी सीएम साव ने किया मावा मोदोल...

12 जेपी इंटरनेशनल स्कूल में स्थापना दिवस...

छ.ग.-प्री.बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2026
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि
24/04/2026
(संध्या 5 बजे तक)
बी.एम. कॉलेज
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9300850065
9340311314, 9303893829

कुएं में गिरकर मादा तेंदुआ और शावक की मौत, बदबू से खुला राज

- वन विभाग ने शव निकालकर शुरू की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बनसागर

कांकेर जिले के विकासखण्ड नरहरपुर से लगभग 11 किलोमीटर दूर ग्राम बनसागर में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक मादा तेंदुआ और उसके शावक की कुएं में गिरने से मौत हो गई। यह घटना तब उजागर हुई जब गांव में स्थित एक घर की बाड़ी में बने कुएं से तेज बदबू आने लगी।

बनसागर के ग्रामीणों ने जब बदबू के कारण कुएं के पास जाकर देखा तो अंदर का नजारा देख सभी दंग रह गए। कुएं में एक मादा तेंदुआ और उसका छोटा शावक मृत अवस्था में पड़े थे। बताया जा रहा है कि यह कुआं गांव के निवासी कन्नू कुंजाम पिता लक्ष्मण कुंजाम के घर की बाड़ी में बना हुआ है। कुएं में पर्याप्त मात्रा में पानी भरा हुआ था, जिससे दोनों जानवर बाहर नहीं निकल पाए और उनकी डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को जानकारी दिया। जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सावधानीपूर्वक दोनों शवों को कुएं से बाहर निकाला। इसके बाद शवों को आगे की कार्रवाई के लिए नरहरपुर लाया गया। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में अक्सर जंगली जानवरों की आवाजाही बनी रहती है। आशंका जताई जा रही है कि रात के समय पानी पीने या शिकार के दौरान तेंदुआ और उसका शावक कुएं में गिर गए होंगे।

कुएं के आसपास सुरक्षा व्यवस्था या जाली नहीं होने के कारण इस तरह की घटनाएं होने की संभावना बनी रहती है। इस घटना ने वन्यजीव संरक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

सुरक्षा इंतजाम की माँग की

ग्रामीणों ने प्रशासन और वन विभाग से मांग किया है कि इस क्षेत्र में खुले कुओं के चारों ओर सुरक्षा इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल वन विभाग मामले की जांच कर रहा है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

जातावड़ा में दो दिवसीय वार्षिक देव मेला 22 से

दुर्गुकोंदल। ग्राम पंचायत जातावड़ा में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला पारंपरिक वार्षिक देव मेला एवं मड़ई इस वर्ष 22 एवं 23 अप्रैल को दो दिवसीय आयोजन में होगा। मेले को लेकर ग्रामवासियों में उत्साह का माहौल है तथा तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं।

ग्राम गायता दुर्गूराम पुडो, बंशीराम पुडो, बलराम कुलदीप तथा सरपंच सियाराम उयके ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ग्राम देवताओं की पूजा-अर्चना, पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामाजिक सहभागिता के साथ देव मेला आयोजित किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

दुर्गूकोंदल में तीन दिनी प्रशिक्षण शुरू

दुर्गुकोंदल। भारत की प्रस्तावित जनगणना 2027 को लेकर प्रशिक्षण के प्रथम दिन सुपरवाइजरों और प्रगणकों को जनगणना से संबंधित विभिन्न कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में कुल 75 कर्मचारियों ने भाग लिया, जिनमें 13 सुपरवाइजर और 62 प्रगणक शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान प्रगणकों को घर-घर जाकर जानकारी संकलित करने की प्रक्रिया समझाई गई, वहीं सुपरवाइजरों को निगरानी, सत्यापन और मार्गदर्शन की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्य में पारदर्शिता, सटीकता और समयबद्धता पर विशेष जोर दिया गया

सरोना मंडल से 6 सक्रिय पदाधिकारियों का चयन

सरोना। नरहरपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से नए पदाधिकारियों का चयन किया गया है। इस चयन में सरोना मंडल से 6 सक्रिय सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नवनियुक्त पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष पद पर राजकुमार नाग एवं अजय नेताम, महामंत्री के रूप में दिनेश सहारे, सचिव पद पर पृथ्वी लाल रामटेके तथा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में महेश वट्टी और पुष्कर साहू का चयन किया गया है।

विकास : स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कृति से जुड़े 11 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का किया उद्घाटन

नक्सल मुक्त कांकेर में विकास की रफ्तार से जिले की बदल रही तस्वीर : अरुण साव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

विकास की नई तस्वीर देखने को जिला मुख्यालय में मिली, जब प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जिला मुख्यालय में विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कोमलदेव शासकीय जिला चिकित्सालय परिसर में ट्रामा सेंटर, ओपीडी एवं अतिरिक्त भवन का उद्घाटन किया, जिससे जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं को नई मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही पुत्री शाला परिसर के जीर्णोद्धार के बाद वित्तीय साक्षरता लैब की शुरुआत की गई। कचहरी परिसर स्थित मावा मोदोल कोचिंग संस्थान में कोया बाना आदिवासी संस्कृति संवर्धन संस्थान का लोकार्पण भी किया गया, जो आदिवासी परंपराओं और विरासत को सहेजने की दिशा में एक अहम पहल है।

> ट्रामा सेंटर और नए ओपीडी भवन से स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा विस्तार

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि कांकेर के लिए यह दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि 11 करोड़ 21 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार की सकारात्मक सोच और विकासपरक नीति के चलते जिले में लगातार प्रगति हो रही है। उन्होंने नागरिकों से इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। विशिष्ट अतिथि विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कांकेर को लगातार विकास की सौगातें मिल रही हैं। उन्होंने बस्तर में नक्सलमुक्त माहौल के बाद तेजी से हो रहे विकास को नई दिशा देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की इच्छाशक्ति से बस्तर के नक्सलमुक्त होने के बाद अब यहां सतत विकास देखने को मिल रहा है। इसके अलावा सरकारें विभिन्न योजनाओं के माध्यम से यहां की आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक विरासतों को संजोने व संवर्धन करने हर संभव प्रयासरत है, जिसका उदाहरण कोया बाना संग्रहालय है जो युवाओं को उनकी प्राचीन परंपरा और सभ्यता से अवगत कराएगा। ▶▶| शेष पेज 10 पर

वित्तीय साक्षरता लैब में बच्चे खेल-खेल में बनेंगे जागरूक

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ने कांकेर प्रवास के दौरान पोस्ट ऑफिस के समीप पुराने पुत्रीशाला परिसर में वित्तीय साक्षरता लैब का लोकार्पण किया। लैब का निर्माण पुराने शाला भवन का जीर्णोद्धार कर किया गया है। डीएमएफ मद से कुल 65 लाख रूपए की लागत से उक्त लैब का निर्माण आधुनिकीकृत ढंग से किया गया है, जहां पर विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को वित्तीय सशक्तिकरण, सायबर फ्रॉड के प्रति जागरूकता तथा व्यावसायिक निवेश कंपनी अधिनियम की जानकारी, जीएसटी, टीडीएस एवं कर प्रणाली की समझ और शेयर मार्केट से परिचय व शासन की योजना एवं आर्थिक बजट की जानकारी सहित बैंकिंग प्रणाली और निवेश आदि की वित्तीय जानकारी मिलेगी।

कार्यक्रम में यह रहे उपस्थित

आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत, नगर पालिका अध्यक्ष अरूण कौशिक, कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, जिला पंचायत सीईओ हरेश मण्डावी, पूर्व विधायक सुमित्रा मारकोले सहित भाजपा जिलाध्यक्ष महेश जैन, दिलीप जायसवाल एवं नगर के समस्त पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण एवं नागरिक उपस्थित रहे।

बच्चों की लड़ाई में महिला से मारपीट की और दी जान से मारने की धमकी

- पीव्ही 15 गोविंदपुर की तेरहवीं कार्यक्रम में वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

पखांजुर क्षेत्र में बच्चों के बीच हुई एक मामूली कहासुनी ने अचानक गंभीर विवाद का रूप ले लिया। बात इतनी बढ़ गई कि एक महिला के साथ न सिर्फ गाली-गलौज की गई, बल्कि उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी भी दे डाली गई। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया है।

जानकारी के अनुसार पीव्ही 15 गोविंदपुर निवासी 31 वर्षीय सीमा बाला 18 अप्रैल को अपने भतीजे राज बाला के साथ गांव में आयोजित एक तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। कार्यक्रम के दौरान घर के बच्चों के बीच आपसी झगड़ा शुरू हो गया, जिसे सीमा बाला ने समझाइश देकर शांत कराने की कोशिश की। हालांकि, यही बात कुछ लोगों को नागवार गुजरी और रात करीब साढ़े 9 बजे जब सीमा बाला अपने भतीजे के साथ घर लौट रही थी, तभी रास्ते में निर्मल सरकार और रनो भक्त ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने तेज आवाज में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए महिला को गाली देना शुरू कर दिया और यह कहते हुए धमकाया कि तुम कौन होती हो हमारे बच्चों को समझाने वाली। विवाद बढ़ते-बढ़ते मारपीट तक पहुंच गया, जहां दोनों आरोपियों ने हाथ-मुक्कों से हमला किया। इस दौरान सीमा बाला के भतीजे राज बाला ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभालने की कोशिश की। घटना को आसपास के लोगों ने भी देखा और सुना, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई। घटना के बाद पीड़िता ने थाना पखांजुर पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद आरोपी निर्मल सरकार और रनो भक्त के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

घरेलू विवाद में महिला पर जानलेवा हमला पति व ससुरालियों के खिलाफ मामला दर्ज

- पीड़िता ने थाने पहुँचकर न्याय की गुहार लगाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

नरहरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चवांड़ में घरेलू हिंसा और जानलेवा हमले का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। महिला के साथ उनके पति जितेंद्र साहू, सास, जेठ और जेठानी ने मिलकर बेरहमी से मारपीट की। घटना के बाद पीड़िता ने थाने पहुँचकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता पूजा साहू ने पुलिस को बताया कि विवाद की मुख्य वजह पति जितेंद्र साहू का अपनी भाभी हेमलता साहू के साथ कथित अवैध संबंध है। इसी बात को लेकर पति अक्सर झगड़ा करता था। शुक्रवार 17 अप्रैल की शाम करीबन 7 बजें जितेंद्र शराब के नशे में धुत होकर घर पहुँचा और पीड़िता पर आरोप लगाते हुए मारपीट शुरू कर दी। पति जितेंद्र ने पीड़िता को हाथ, लात और डंडे से पीटा। इतना ही नहीं, उसने जान से मारने की धमकी देते हुए टंगिया उठा ली और पीड़िता का गला दबाने की कोशिश की। पति के उकसाने पर उसकी भाभी हेमलता साहू और सास नर्मदा साहू ने पीड़िता के बाल पकड़कर घसीटा और मुक्कों-लातों से जमकर पिटाई की। घर में मौजूद जेठ भोजेश साहू ने भी बीच-बचाव करने के बजाए पीड़िता के माता-पिता के नाम पर गालियां दीं और अपनी पत्नी को पीड़िता को और अधिक मारने के लिए उकसाया। ▶▶| शेष पेज 10 पर

शादी पार्टी में युवक ने मांगी सब्जी तो 3 लोगों ने मिलकर की पिटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

शादी कार्यक्रम में खाना खाने के लिए गए युवक के साथ खाना परोस रहें लोगो ने मिलकर मारपीट कर दी। पीड़ित ने सब्जी में मिर्च ज्यादा होने की बात कहते हुए दूसरी सब्जी का मांग किया था। इसी बात को लेकर तीन लोगो ने मिलकर मारपीट शुरू कर दिया। थाना भानुप्रतापपुर में शिकायत करने पहुंचे तहसीलपारा भानुप्रतापपुर निवासी सत्येन्द्र कुलदीप पिता स्व. प्रीतमदास ने पुलिस को बताया कि 16 अप्रैल कि रात लगभग 9 बजें ग्राम भीरागांव में एक वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ था, जहां पर मै भोजन करने बैठा था।

सब्जी बहुत तीखी बनी थी, जिस पर मैने कहा कि कोई दूसरी सब्जी है क्या। तो खाना परोस रहें अजय रावत तथा श्रवण नेताम दोनो निवासी ग्राम भीरागांव जो शराब के नशे में थे वह लोग दूसरी सब्जी मांगता है कहते हुए गाली देने लगे। ▶▶| शेष पेज 10 पर

धूमधाम से मनाया भगवान श्री परशुराम का जन्मोत्सव

कांकेर। शहर में 19 अप्रैल को सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर भगवान श्री परशुराम का जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। दिन भर चले विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में समाज के सैकड़ों लोगों ने सहभागिता की। जन्मोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर में धार्मिक विधि-विधान के साथ हुई। दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक सामूहिक यज्ञ एवं पूजन का आयोजन किया गया। मंत्रोच्चार के साथ विश्व शांति और जनकल्याण की कामना की गई। पूजन के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। शाम 7 बजें से शोभा यात्रा निकाली गई।

शहीद की गौरव गाथ को याद किया

मार्रामपानी में शहीद शोरी की प्रतिमा का विधायक द्वय ने किया अनावरण

- जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने नम आँखों से दी वीर जवान को श्रद्धांजलि और उनके शार्य को याद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिले के नरहरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मार्रामपानी में शहीद प्रधान आरक्षक बिरेंद्र कुमार शोरी की प्रतिमा का भव्य और गरिमामयी अनावरण विधायक आशाराम नेताम और विधायक सावित्री मंडावी की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, पुलिस अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में वीर जवान के शौर्य, साहस और बलिदान को नमन किया।

परिजनों ने बताया कि शहीद बिरेंद्र शोरी का जन्म 26 जून 1988 को ग्राम मार्रामपानी में हुआ था। वर्ष 2010 में पुलिस विभाग में आरक्षक पद पर भर्ती होकर उन्होंने अपनी निष्ठा, कर्तव्यपरायणता और बहादुरी से सेवा की शुरुआत की। अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली के चलते वे प्रधान आरक्षक के पद तक पहुंचे और जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) बल में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते रहे। 4 दिसंबर 2024 को जिला नारायणपुर के पांगुड़ (गारपा) क्षेत्र में एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में उन्होंने अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनका यह बलिदान सदैव प्रेरणा का स्त्रोत बना रहेगा। शहीद की स्मृति को अमर बनाए रखने तथा नई पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा देने के उद्देश्य से गांव में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है। ▶▶| शेष पेज 10 पर

विधायक लता ने दी 13.79 करोड़ के 18 विकास कार्यों की सौगात

माकड़ी में लगाया गया जनसमस्या निवारण शिविर, दूरस्थ गांवों तक पहुंच रही योजनाओं की रोशनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

ग्राम माकड़ी में शनिवार को जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं रखीं और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी ने 13 करोड़ 79 लाख रुपए की लागत से 18 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें प्रमुख रूप से शासकीय महाविद्यालय माकड़ी भवन निर्माण 465.84 लाख हीरावंडी से बालेंग सड़क व पुल-पुलिया निर्माण 685.29 लाख, प्री-मैट्रिक व कन्या आश्रमों में कक्ष निर्माण, छात्रावास, लैब व लाइब्रेरी निर्माण कार्य जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल हैं।

कलेक्टर ने दी योजनाओं की जानकारी

कलेक्टर ने बताया कि माओवादमुक्ति के बाद बस्तर क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। बस्तर मुन्ने अभियान, सुशासन तिहार और नियद नेल्लानार 2.0 जैसी योजनाओं के माध्यम से शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 27 हितग्राहियों को आवास पूर्ण होने पर प्रतीकात्मक चाबी सौंपी गई। इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा 46 राशन कार्ड, 12 जाति प्रमाण पत्र, 07 श्रम कार्ड, 10 आयुष्मान कार्ड, 10 पेंशन की स्वीकृति, दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण, महिला एवं बाल विकास द्वारा पोषण किट का वितरण किया। गोद भराई भी की गई। शिविर में कुल 57 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए।

विधायक लता ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार विकास के साथ-साथ आम नागरिकों को व्यक्तिगत योजनाओं का लाभ भी सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान का उल्लेख करते हुए ग्रामीणों से स्वास्थ्य जांच में सहयोग करने की अपील की। साथ ही कुपोषण और एनीमिया मुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया।

ये रहे उपस्थित – कार्यक्रम में पूर्व विधायक सेवकराम नेताम, जनपद अध्यक्ष जुगबती पोयाम, जिला पंचायत सदस्यगण, जनपद प्रतिनिधि, सीईओ अविनाश भोई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों के अवकाश पर सख्ती

कोण्डागांव। जनगणना 2027 के तहत मकान सूचीकरण एवं गणना का कार्य 1 मई से 30 मई तक किया जाएगा। जनगणना कार्य में संलग्न सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अवकाश लेने के लिए कलेक्टर की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। किसी भी अधिकारी-कर्मचारी को बिना पूर्व स्वीकृति मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। विशेष परिस्थितियों में जिला जनगणना शाखा के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करने के बाद ही अवकाश स्वीकृत किया जाएगा। पहले से स्वीकृत अवकाश के मामलों में भी पुनः आवेदन कर कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी से अनुमति लेना जरूरी होगा। जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस की बैठक में भाजपा से जनता को बचाने पर चर्चा

जगदलपुर। उत्तर ब्लॉक प्रभारी अतिरिक्त शुक्ला व सह प्रभारी सुषमा सुता की अध्यक्षता, ब्लॉक अध्यक्ष बलराम यादव के नेतृत्व में एवं ब्लॉक बूथ प्रभारी गौरनाथ नाग व मंडल अध्यक्ष ललिता राव की उपस्थिति में कांग्रेस का मिशन वार्ड चलो अभियान के तहत बालाजी वार्ड में गोलबाजार मंडल की बैठक हुई। पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की रीति नीति एवं जनहित के कार्यों को घर-घर तक पहुंचाने एवं भाजपा के जनविरोधी नीतियों के सम्बन्ध में जनता को सचेत कराने की साथ कांग्रेस की मजबूती पर भी चर्चा की गई। बैठक में जिला महामंत्री अभिषेक नायडू, दंतेश्वर राव, ज्योति राव, करण बजाज, शुभम नायडू, गोपाल तीथार्नी मौजूद रहे।

पहले का बस्तर और नक्सलवाद के बाद क बस्तर को जाना

जगदलपुर। डिजिटल डेमोक्रेसी डायलॉग के तहत बस्तर में सोशल मीडिया क्रिएटर्स मीट का आयोजन रविवार को शौर्य भवन में किया गया। बैठक में पूरे देश के यूट्यूबर्स, इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर्स और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स ने हिस्सा लिया। आईजी सुन्दरराज पी और कलेक्टर आकाश छिकारा ने क्रिएटर्स से संवाद करते हुए बस्तर की पूर्व की स्थिति और बदलती परिस्थितियों, पर्यटन की संभावना, परिवहन व्यवस्था, व्यापारिक गतिविधियों, आदिवासी संस्कृति, दशहरा, हस्तशिल्प और प्राकृतिक सुंदरता के संबंध में जानकारी दी। आईजी ने बस्तर संभाग की पहले की स्थिति, नक्सल गतिविधियों, नक्सल के कारण विकास से दूरी, नक्सलमुक्त होने के बाद का बस्तर और अन्य संभावनाओं की जानकारी दी। क्रिएटर्स ने बस्तर के लिए अपनी विचारों और शंकाओं का समाधान के लिए चर्चा की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, सीईओ जिला पंचायत सुकमा मुकुंद ठाकुर, सीईओ जिला पंचायत बीजापुर नम्रता चौबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

जिम्मेदारिन माता मंदिर में 26 से दो दिनी महोत्सव

दुर्गुकोंदल। विकासखंड दुर्गुकोंदल के ग्राम थानापारा में नव निर्मित जिम्मेदारिन माता मंदिर शीतला माता परिसर में 26 अप्रैल से दो दिवसीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर मंदिर के नव भवन का लोकार्पण, माता की स्थापना पूजा एवं पारंपरिक गदिया रेहाना महोत्सव आयोजित किया जाएगा। ग्राम गायता बैजनाथ नरेटी की उपस्थिति में नव निर्मित मंदिर में माता की स्थापना कर धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत की जाएगी। दूसरे दिन 27 अप्रैल को देवी-देवताओं की विशेष पूजा सेवा अर्जी पूजवन की जाएगी।

सौगात : माओवाद के खात्मे के बाद पुसपाल में पर्यटन को नई उड़ान

वनमंत्री केदार ने रिसॉर्ट व ओपन रेस्टोरेंट का किया भूमिपूजन, बस्तर- कोडागांव इको टूरिज्म से जुड़ेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

बस्तर अंचल में शांति स्थापना के बाद अब विकास की नई तस्वीर सामने आ रही है। पुसपाल क्षेत्र, जो वर्षों तक माओवाद से प्रभावित रहा, अब ईको-टूरिज्म के रूप में विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

- 3.15 करोड़ से इको टूरिज्म परियोजनाओं का शुभारंभ

इसी कड़ी में वन मंत्री केदार कश्यप ने ग्राम परौदा में 1.45 करोड़ 96 रु हजार की लागत से रिसॉर्ट और पुसपाल नदी तट पर 1.70 रुपए करोड़ की लागत से ओपन रेस्टोरेंट निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य कोंडागांव-बस्तर इको-टूरिज्म सर्किट को विकसित करना है। अब तक पर्यटक टाटामारी से सूर्योदय देखने के बाद सीधे चित्रकूट की ओर चले जाते थे, लेकिन पुसपाल में नए पर्यटन केंद्र विकसित होने से अब यहां भी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी। पुसपाल क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एटीवी राइड, एडवेंचर राइड रिवर राफ्टिंग, बम्बू राफ्टिंग जैसी गतिविधियां शुरू की जाएंगी। इससे पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य के साथ रोमांच का भी अनुभव कर सकेंगे।

पुसपाल वैली व्यू पॉइंट से सूर्यास्त के मनमोहक -श्य के साथ पर्यटकों को ईको कॉटेज में ठहरने की सुविधा भी मिलेगी। यहां पर्यटक तारों भरे आकाश के नीचे प्र—ति के बीच अनूठा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार –

वन मंत्री ने कहा कि इस परियोजना से स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार के अवसर मिलेंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और क्षेत्र की संस्कृति को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान तेन्दूपत्ता संग्राहकों को संग्रहण कार्ड वितरित किए गए। वन मंत्री ने संग्राहकों से अपील की कि वे अधिक मात्र में गुणवत्तापूर्ण तेन्दूपत्ता संग्रह कर शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं। कार्यक्रम में वन विभाग द्वारा ग्रामीणों से वनों को आग से बचाने, अवैध कटाई और अतिक्रमण रोकने की अपील की गई, ताकि प्रा—तिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

जनप्रतिनिधि व अधिकारी रहे उपस्थित

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती यशोदा कश्यप, वनमंडलाधिकारी चूड़ामणि सिंह, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एसडीओपी सतीश भार्गव, जनपद सीईओ उत्तम महोबिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

1060 बैग यूरिया जब्त समितियों को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक उचित दर पर उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देश पर उप संचालक कृषि कैलाश मरकाम के नेतृत्व में जिलेभर में लगातार निरीक्षण कर कार्रवाई की जा रही है।

- कृषि आदानों की कालाबाजारी पर सख्ती

निरीक्षण के दौरान आदिम जाति सहकारी समिति मर्यादित सोनाबाल के आकस्मिक निरीक्षण में कई गड़बड़ियां सामने आईं। एक ही पीओएस मशीन से विक्रय, किसानों को मिले उर्वरक में भिन्नता, स्टॉक एवं मूल्य सूची का प्रदर्शन नहीं, स्कंध पंजी का संधारण नहीं, आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई, उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र प्रदर्शित नहीं इन अनियमितताओं पर समिति को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा गया है। विकासखंड बड़ेराजपुर के ग्राम गम्हरी स्थित साधु कृषि सेवा केंद्र में निरीक्षण के दौरान 1060 बैग यूरिया का अवैध भंडारण पाया गया। उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत कार्रवाई करते हुए उर्वरक जब्त कर संस्था को सुपुर्द किया गया है। मामला आगे की कार्रवाई के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। संस्था द्वारा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही प्राधिकार पत्र निरस्त करने की कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी गई है।

यह पूरी कार्रवाई उप संचालक कृषि कैलाश मरकाम, उर्वरक निरीक्षक शशिकांत नाग एवं विश्वनाथ मरकाम सहित ग्रामीण —षि विस्तार अधिकारियों की टीम द्वारा की गई।

दादी व चाचा पर जानलेवा हमला भतीजे के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

नरहरपुर थानांतर्गत ग्राम कुरालठेमली में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब शराब के नशे में एक युवक ने अपने ही चाचा और दादी पर हमला कर दिया। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई है और परिवार दहशत के माहौल में जीने को मजबूर है। जानकारी के अनुसार ग्राम कुरालठेमली निवासी 31 वर्षीय दाऊलाल सोनवानी ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि 17 अप्रैल की सुबह लगभग सवा नौ बजे वह अपने घर के सामने खड़े थे। इसी दौरान उनका भतीजा अखिलेश सोनवानी शराब के नशे में वहां पहुंचा और गाली-गलौच करने लगा। दाऊलाल ने जब उसे समझाने की कोशिश की, तो आरोपी अचानक उग्र हो गया। आरोपी ने जान से मारने की धमकी देते हुए अपने हाथ में पहने चूड़ा से दाऊलाल के माथे पर, दाहिनी आंख के ऊपर वार कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचीं दाऊलाल की मां कचरा बाई सोनवानी को भी आरोपी ने नहीं छोड़ा और पास में रखे ईंट के टुकड़े से उन पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें भी चोटें आईं।घटना के बाद परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। पीड़ितों का कहना है कि आरोपी की धमकियों से वे असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। वहीं, गाली-गलौच और मारपीट की इस घटना से आसपास के लोगों की भावनाएं भी आहत हुई हैं।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी अखिलेश सोनवानी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (2), 296 और 351 (3) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

185 वाहन चालकों पर कार्रवाई 13 पर किया विशेष केस दर्ज

कोण्डागांव। पुलिस द्वारा बीते दिवस सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया, जिसमें कुल 185 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए। जांच के दौरान नियमों का गंभीर उल्लंघन करने वाले 13 वाहन चालकों के विरुद्ध विशेष प्रकरण तैयार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक काव्या घटना एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। पूरे अभियान में यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। शहर के मुख्य चौक-चौराहों एवं एन.एच.-30 पर चेकिंग प्वाइंट बनाकर वाहनों की सघन जांच की गई। बिना हेलमेट, बिना लाइसेंस, नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर विशेष निगरानी रखी गई। जांच के दौरान शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में कोई रियायत नहीं दी जाएगी।

पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत लोगों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक किया गया।

भानुप्रतापपुर में भगवान श्रीपरशुराम की जयंती पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान परशुराम जन्मोत्सव पूरे हर्षोल्लास, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। आयोजन में समाजजनों की सहभागिता रही, जिससे पूरे नगर में धार्मिक और उत्सवी माहौल बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम की प्रतिमा के समक्ष विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर की गई। समाज के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने पुष्पमाला अर्पित कर भगवान का आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें सभी ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे त्याग, पराक्रम और धर्म के प्रतीक हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में नैतिक मूल्यों को मजबूत किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान भगवान परशुराम चौक एवं प्रतिमा स्थापना के सूत्रधार स्व अखिल सिंह राठौर को ब्राह्मण समाज द्वारा भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समाजजनों ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों और दृढ़ संकल्प से ही भानुप्रतापपुर में भगवान परशुराम चौक एवं प्रतिमा का स्वरूप साकार हो पाया है। उन्होंने समाज को संगठित कर इस कार्य को संभव बनाया, जिसके कारण आज यह स्थल आस्था और पहचान का प्रमुख केंद्र बन चुका है। समाज ने उन्हें सादर नमन करते हुए कहा कि उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक एकता, आपसी भाईचारा और संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया गया। आयोजन स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था, जिससे वातावरण और भी श्रद्धामय हो गया।

अंत में सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी समाजजनों का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

47 वर्षों बाद नवोदय व एकलव्य विद्यालय में चयन, विद्यार्थियों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गुकोंदल

जनजातीय बहुल और भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र दुर्गुकोंदल में शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई है। जिले में संचालित हमर लक्ष्य कार्यक्रम के अंतर्गत निरंतर मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत के परिणामस्वरूप लगभग 47 वर्षों बाद ग्राम सिहारी के विद्यार्थियों ने जवाहर नवोदय विद्यालय एवं एकलव्य आवासीय विद्यालय में चयन हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद यदि सही दिशा और प्रयास मिले, तो ग्रामीण अंचल के बच्चे भी बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। इसी कड़ी में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला सिहारी में कक्षा 5वीं एवं 8वीं के विद्यार्थियों के लिए भव्य विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवोदय विद्यालय में चयनित छात्र हरीश कोमरा एवं ऋषभ दुग्गा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उनके अभिभावकों ने विद्यालय और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शिक्षकों और समाज के लोगों ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार भी प्रदान किए। प्रधान अध्यापक गोदावरी तारमे ने पेटी और स्कूल बैग, उत्तरा वस्त्रकार ने 1100 नगद, हेमलाल खरे ने 1000, नरोत्तम साहू एवं सरस्वती कंवर ने 500-500 तथा मुकेश बघेल ने 2500 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष मनोज दुग्गा ने शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि अभिभावक और विद्यालय के संयुक्त प्रयास से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। संकुल समन्वयक हेमलाल खरे ने इसे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताते हुए सभी के योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी एसपी कोसरे एवं सहायक खंड शिक्षा अधिकारी अंजनी मंडावी, उपसरपंच फुलेश्वरी नेताम, रमिला दुग्गा, राधा जैन, सजन बाई, सत्यभामा कावडे सहित अभिभावक और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पेज 09 के शेष

नक्सल मुक्त कांकेर ...

कार्यक्रम के दौरान नवांकुर मासिक पत्रिका और हल्बा जनजाति की लोक संस्कृति पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। उल्लेखनीय है कि कोया बाना संस्थान में गोड़ी पाठशाला, सांस्कृतिक लाइब्रेरी, आदिवासी संग्रहालय और युवाओं के लिए रेडियो स्टूडियो जैसी सुविधाएं स्थापित की गई हैं, जिसे जिला खनिज न्यास निधि से 30 लाख रुपये की लागत से तैयार किया गया है।

घरेलू विवाद में महिला...

हैरानी की बात यह है कि यह पूरी घटना गांव के कई प्रत्यक्षदर्शियों के सामने हुई। ग्रामीणों ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन आरोपी किसी की बात मानने को तैयार नहीं थे और सरेआम गाली-गलौज करते रहें। मारपीट की वजह से पीड़िता की दोनों आँखों के पास, हाथ, कमर, पीठ और गले पर गंभीर चोटें आई हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि इस जानलेवा हमले और लगातार मिल रही धमकियों के कारण वह और उसका परिवार गहरे खौफ में है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी जितेंद्र साहू, हेमलता साहू, नर्मदा साहू और भोजेश साहू के खिलाफ धारा 115 (2), 296, 3 (5), 351 (3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

शादी पार्टी में युवक...

गाली देते से मना किया तो वे दोनो तथा उनके अन्य साथी अज्जू महार भी वहां पर आ गया और तीनों मिलकर मुझे जान से खत्म कर देगें कहते हुए हाथ थप्पड़ से मारपीट करने लगे। हाथ में पहने कड़ा से मुझे चोट आई तथा उनके नाखूनो से चोट आई है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अजय रावत, श्रवण नेताम, अज्जू महार के खिलाफ धारा 115 (2), 296, 3 (5), 351 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

मार्रामपानी में शहीद...

कार्यक्रम में शहीद के पिता रामनारायण शोरी, माता बिंदु शोरी, पत्नी शीतल शोरी सहित परिवार के सदस्य उपस्थित रहे, जिनसे सभी ने मिलकर संवेदना व्यक्त की।
विधायकद्वय ने कहा कि शहीद बिरेंद्र कुमार शोरी का जीवन और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और साहस का मार्ग दिखाता रहेगा। कांकेर पुलिस ने भी शहीद जवानों के अद्वितीय साहस और बलिदान को सदैव नमन करने का संकल्प दोहराया।

खबर संक्षेप

मेला-मड़ई में आए देव विग्रह को दी गई विदाई

तोकापाल। तोकापाल ब्लॉक के अंतर्गत कई गांवों में मेला-मड़ई के अवसर पर देवी-देवताओं का आगमन हुआ है। इस दौरान पूरे गांव में उत्सव का माहौल बना रहा। गांव के सभी परिवारों ने अपने रिश्तेदारों को आमंत्रित किया, जिससे सभी को मेले के उत्सव का आनंद लेने का अवसर मिला। मेले में आकाश झूला, मौत का कुआँ, बच्चों के लिए टॉय ट्रेन, महिलाओं के लिए श्रृंगार की सामाने, मिठाई एवं खिलौनों की दुकानें सहित विभिन्न प्रकार की से मेला सजा हुआ था। हर वर्ग के लोगों में उत्साह देखने लायक था। इस मेले में आसपास के अन्य गांवों से भी अपने-अपने देव विग्रहों को तोकापाल लाया गया। सभी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की, फूल चढ़ाए और नृत्य किए। चितापुर, बर्चपाल आदि स्थानों से आए नर्तक दलों ने मेले की शोभा बढ़ाई। गांव के सिराहा और देव विग्रहों के साथ मिलकर सुहारी हेमचंद कश्यप के यहां से नर्तकों को विदाई दी गई। मेले के समापन के पश्चात सभी देव सिराहों को सम्मानपूर्वक विदा किया गया।

विपक्ष की महिला विरोधी मानसिकता उजागर

दंतेवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने अपने

बयान में कहा कि संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के लिए आवश्यक संविधान संशोधन बिल को लेकर जो स्थिति बनी, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह विधेयक देश की महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर उन्हें निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था। उन्होंने कहा कि आजादी के 78 वर्षों तक महिला सशक्तिकरण का विषय अधिकतर भाषणों और वादों तक सीमित रहा, लेकिन भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस सोच को बदलते हुए ठोस पहल की है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल का विरोध कर कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर अपनी संकीर्ण मानसिकता का परिचय दिया है। इस कदम से देश की करोड़ों महिलाओं की आशाओं और अधिकारों को आघात पहुंचा है। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने जैसे महत्वपूर्ण बिल को रोकना न केवल निंदनीय है, बल्कि यह दर्शाता है कि विपक्ष महिलाओं की वास्तविक भागीदारी

एनीकट प्रबंधन और किसानों की सजगता से बदली तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

बस्तर जिले में इस वर्ष इन्द्रावती नदी की स्थिति बदली हुई नजर आ रही है। जहां पिछले साल इस समय नदी सूखने की कगार पर पहुंच गई थी वहीं इस बार नदी में पर्याप्त जलस्तर है। इस बदलाव के पीछे प्रशासनिक नियंत्रण के साथ-साथ किसानों की सजगता की अहम भूमिका है। पिछले वर्ष जल संकट के कारण नदी किनारे के किसानों को नुकसान उठाना पड़ा था। खेतों की फसलें बर्बाद हो गई थीं और जलस्तर लगातार गिरता गया था। लेकिन इस बार किसानों ने समय रहते एनीकटों की मरम्मत कर ली और पानी के अनावश्यक बहाव को रोकने में सहयोग किया। इस सीजन में एनीकटों से एक बार भी पानी नहीं छोड़ा गया जिससे नदी में जल का संतुलन बना रहा। खासतौर पर नारायणपाल एनीकट के गेट बंद रहने से चित्रकोट जलप्रपात की धारा पर

- इन्द्रावती में भरपूर जलस्तर

भी सकारात्मक असर पड़ा है। पहले जहां पानी छोड़ने से प्रपात की धारा कमजोर पड़ जाती थी वहीं इस बार वह निरंतर बनी हुई है। इसके अलावा फसल पैटर्न में बदलाव भी एक महत्वपूर्ण कारण रहा। नदी किनारे इस बार मक्के का रकबा अपेक्षाकृत कम रहा, जिससे सिंचाई के लिए पानी का दोहन घटा और नदी का जलस्तर स्थिर बना रहा। पिछले साल जोरानाला विवाद और एनीकटों से पानी छोड़े जाने के कारण नदी सूख गई थी लेकिन इस बार बेहतर प्रबंधन और सामूहिक प्रयासों से स्थिति नियंत्रण में है।

एनीकट प्रबंधन बना जल संरक्षण की कुंजी

इस वर्ष एनीकटों से पानी नहीं छोड़े जाने का निर्णय सबसे अहम साबित हुआ। नारायणपाल सहित अन्य एनीकटों के गेट बंद रहने से नदी में जल का प्रवाह बना रहा। इससे न केवल इन्द्रावती का जलस्तर स्थिर रहा, बल्कि चित्रकोट जलप्रपात की धारा पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

12 वर्ष में एक बार लगता है मेला

मिट्टी से बने डेंगूर में सजा है मां का दरबार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सुकमा

जगतू गुड़ा धरमू गुड़ा की तरह सुकमा देवी चौक माहरा पारा पूर्वजों का बसाया हुआ पारा है। उस जमाने में माहरा जाति का कबीला हुआ करता था। बोधराज गंगानम्मा देवगुड़ी माहरा समाज की आराध्य देवी है। यहां पर प्रति मंगलवार को देवी पूजा अर्चना किया जाता है, यह पूर्वजों से यह परंपरा चलते आ रहा हैं। यह बातें मेला समिति के अध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता पी. बिचेम ने कही।

- जिले के मूलवासी अन्य समाज के देवी देवताओं को डोंडा माला भेज कर किया जाता है आमंत्रित

बोधराज गंगानम्मा माता देवगुड़ी मेला मंडाई 12 वर्षीय का आयोजन तीन दिवसीय 20 से 21 व 22 अप्रैल को संपन्न होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह बोधराज गंगानम्मा माता देवगुड़ी 13 सौ ईसवीं से स्थापित है। जब सुकमा जिले में काकतीय वंश के राजा हुआ करते थे उस जमाने के पूर्व से है ऐसा हमारे पूर्वजों का कहना था ऐसा बताते थे कि यह देव गुड़ी हमारे पूर्वजों की देन है। पूर्वजों से यह परंपरा चलते आ रहा हैं। बुर्जुगों का कहना है जगतू गुड़ा धरमू

गुड़ा हुआ करता था ऐसा ही सुकमा देवी चौक माहरा पारा पूर्वजों का बसाया हुआ पारा है। माहरा समाज के लोग सुकमा से जाकर कोंटा चिंतलनार, जगरगुंडा, दोरनापाल, फुलबगिड़ी, बड़ेसट्टी, जीरमपाल, कोंडरे, गादीरास, नीलावरम, कोर्रा, डोडपाल, पाकेला, छिंदगढ़, रोकल, तोंगपाल, कूकानार, पुसपाल, किरकिपाल, गुम्मा, गंजेनर, बुडदी, गोंगला और रामाराम में बसे हैं। उन सभी गांवों का मुखिया देवी चौक माहरा पारा पटनम पारा है। इस मेला मंडाई में जिले के देवी देवताओं को आमंत्रित किया है।

साथ ही जिले के मूलवासी अन्य समाज के देवी देवताओं को डोंडा माला भेज कर आमंत्रित की है। इस माता मंदिर में जो भी भक्त आकर मन्नत मांगी है उसकी मन्नत पूरी हुई है। खुद

भक्तगण बोलते हैं राजा जमाने में राजा शिकार के लिए निकलने से पहले बोधराज माता की देव गुड़ी में आकर हुकुम मांग कर ही शिकार जाते थे। शाम तक कोई ना कोई जंगली जानवर का शिकार करके मातागुडी के पास आकर देवी की पूजा करते थे और प्रजा राजा को डोली में बैठाकर नचाते थे राजा को देवी चौक माहरा पारा पटनम पारा से प्रजा राजा को डोली में बोकर नचाते हुए राजवाड़ा पहुंचाया जाता था।

25 वर्ष में लगता था मेला

पी. बिचेम ने बताया कि बुर्जुगों का कहना है माहरा समाज सात पीढी से पूर्व से सुकमा गांव बसा हुआ है, जिसमें माहरा समाज के मुखिया, पेरमा, पुजारी, गायता मिलकर बोधराज गंगानम्मा माता गुड़ी में मेला मंडाई करते आ रहे हैं।

आठ दशक पूर्व 25 वर्ष में करते थे उसके बाद चार दशक से 12 वर्ष में करने लगे हैं आज तक वही परंपरा चलते आ रहा है इस माता की देव गुड़ी में सभी धर्म के लोग सनातनी मूलनिवासियों के द्वारा पूजापाठ करते आ रहे हैं आज भी सब मिलकर करते हैं।

आदिवासी संस्कृति से होती है पूजा

इस माता की देवगुड़ी की खासियत यह है यहां पर देवी माता की मिट्टी से बना डेंगूर है उसी पर माता बसा है उसकी ही पूजा पूर्वजों से करते आ रहे हैं। जल जंगल जमीन से जुड़े हुए माहरा समाज है आदिकाल से आदिवासी संस्कृति से सभी समुदाय मिलकर निर्णय लेते हैं। जिसमें सर्व समाज मिलकर पूजा पाठ करते हैं जैसे की बीजा पांडुम, आमा त्यौहार, धान त्यौहार एक साथ मिलकर मनाते हैं। आदिकाल की आराध्य देवी होने के कारण आदिवासी संस्कृति के अनुसार आज भी देवी को पूजते हैं। अंडा ,मुर्गा, बकरा और नारियल अगरबत्ती चढ़ाकर पूजते हैं जितने भी देवी की डोली आती है उन सब देवी के साथ आए लोगों को प्रसाद के रूप में बांटते हैं। बोधराज गंगानम्मा माता दोनों पति पत्नि है। मेला में आगमन होने देवी देवताओं के साथ सभी भक्त जनों का स्वागत एवं अभिनंदन मेला समिति करती है।

परशुराम जयंती पर हनुमान चौक बना श्रद्धा का केंद्र

बचेली। हनुमान चौक में परशुराम जयंती के पावन अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ खीर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम भगवान परशुराम के छाया चित्र में दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर पूजा किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर भगवान परशुराम के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य कमलेश दुबे ने भगवान परशुराम के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे सत्य, धर्म और न्याय के प्रतीक थे। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है, जिन्होंने अधर्म के खिलाफ संघर्ष कर समाज में धर्म की स्थापना की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को खीर प्रसाद वितरित किया गया और सभी ने भगवान परशुराम के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन में संतोष दुबे, भरत शर्मा पंडित, रोशन पांडे सहित बड़ी संख्या में समाज के युवाओं एवं नन्हे बच्चों की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली, जिससे समाज में एकजुटता और धार्मिक भावनाओं का सुंदर संदेश प्रसारित हुआ। के अंत में आयोजकों ने सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए समाज में आपसी सहयोग और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने की अपील की।

223 कर्मियों को जनगणना प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| दंतेवाड़ा

जनगणना कार्य निदेशालय रायपुर के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में आज से जनगणना 2027 के द्वितीय चरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना से संबंधित तकनीकी

- जिले के 5 तहसीलों एवं 2 नगर पंचायतों के अधिकारी कर्मचारी शामिल

प्रक्रियाओं, प्रपत्रों के संधारण तथा डिजिटल डेटा प्रविष्टि की बारीकियों से अवगत कराना है।

इस प्रशिक्षण के दौरान जिला जनगणना अधिकारी मूलचंद चोपड़ा ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं है, बल्कि यह शासन की विकास योजनाओं और नीतियों की आधारशिला है। उन्होंने सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को अपनी

जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता, सतर्कता एवं ईमानदारी के साथ करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रशिक्षण एवं अभ्यास सत्रों को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि फील्ड स्तर पर कार्य के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि न हो। इस प्रशिक्षण में जिले की 5 तहसीलों एवं 2 नगर पंचायतों के कुल 223 कर्मियों को शामिल किया गया है, जिसमें 188 प्रगणक एवं 35 पर्यवेक्षक शामिल हैं। सभी प्रतिभागियों को 6 अलग-अलग बैचों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति को विस्तार से समझने और अभ्यास करने का अवसर मिल सके। इसके साथ ही प्रशिक्षण के पहले दिन तहसील दंतेवाड़ा एवं नगर पंचायत गीदम के एक-एक प्रगणक अनुपस्थित पाए गए। इस पर प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए संबंधित चार्ज जनगणना अधिकारियों के माध्यम से अनुपस्थित कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

इस प्रशिक्षण के दौरान जिला जनगणना अधिकारी एवं संबंधित चार्ज जनगणना अधिकारी उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे तथा प्रतिभागियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

4 करोड़ से अधिक के 30 कार्यों का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बचेली

नगर पालिका परिषद बड़े बचेली में 17 अप्रैल को विभिन्न वार्डों में 407.89 लाख रुपये की लागत वाले कुल 30 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी और नगर पालिका अध्यक्ष राजू जयसवाल ने शिलापट्ट का अनावरण कर क्षेत्रवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अमलेन्दु चक्रवर्ती तथा विधायक प्रतिनिधि निलेश पटले भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी।

इस आयोजन की एक बड़ी उपलब्धि बंगाली कैंप पुराना मार्केट क्षेत्र के लिए रही। यहां एक महत्वपूर्ण सामुदायिक भवन का निर्माण पिछले 5 वर्षों से अधूरा पड़ा था, जिसके कारण स्थानीय निवासियों को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा था। जनहित को ध्यान में रखते हुए, नगर

पालिका प्रशासन ने इस अधूरे कार्य को पूर्ण करने हेतु निविदा की प्रक्रिया पूरी की और अब इसका कार्य आधिकारिक रूप से शुरू कर दिया गया है। निर्माण कार्यों के भूमि पूजन के साथ साथ मोदी जी की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत चयनित 27 हितग्राहियों को विधायक के द्वारा अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया तथा आवास निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर पूर्ण करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा क्षेत्र का विकास हमारी साझा प्राथमिकता है। पिछले 5 वर्षों से जो कार्य अधूरे पड़े थे, उन्हें ढूंढ-ढूंढ कर पूर्ण किया जा रहा है। बंगाली कैंप में अधूरा पड़ा भवन इसका प्रमाण है।

हम केवल घोषणाओं में नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने में विश्वास रखते हैं। ये 30 कार्य बचेली की तस्वीर बदलने में मील का पत्थर साबित होंगे। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि नगर पालिका परिषद बचेली जन-आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य कर रही है। हमने सुनिश्चित किया है कि अधोसंरचना और 15वें वित्त की राशि का उपयोग सीधे जनता की सुविधाओं के लिए हो। अधूरा पड़ा निर्माण कार्य, सौंदर्यीकरण तथा पेयजल संबंधित कार्य अब जल्द ही पूर्ण होकर जनता के उपयोग में आएगा। भूमि पूजन के दौरान दो प्रमुख मदों के तहत बजट का विवरण साझा किया गया। अधोसंरचना मद 228.89 लाख की लागत से 22 निर्माण कार्य।15वां वित्त मद से 179.00 लाख की लागत से 8 महत्वपूर्ण कार्य। ये कार्य संपूर्ण निकाय क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे, जिसमें सड़क, नाली और सामुदायिक सुविधाएँ शामिल हैं।

इस दौरान नगरपालिका अधिकारी पीटीएम कृष्णा राव, उप अभियंता संतोष कुमार नेगी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पिंटू राम उइके, पार्षद धनसिंह नाग, विलासिनी नाग, दीपक सरकार, श्यामलाल सेठिया, गीतांजलि जायसवाल, लक्ष्मी पानी, मनोज सिंह, भाजपा मंडल महामंत्री सुदीप्ता मंडल, झलकी नाग, कोषाध्यक्ष सूरज जायसवाल, अर्नब चक्रवर्ती, नरेश चौहान बादल कुंडू, दिव्यो दुर्गा

सीसीएसएच में न्यूरोसर्जन ने 7 साल के बालक को दी नई जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

बस्तर में अब न्यूरोलॉजी से जुड़ी समस्याओं का त्वरित हल हो पा रहा है। डिमरापाल स्थित कॉन्टिनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल (सीसीएसएच) में पदस्थ न्यूरोसर्जन डॉ. पवन बृज अब स्थानीय स्तर पर ही न्यूरोसर्जरी से जुड़े मामलों का उपचार कर रहे हैं। डॉ. बृज ने एक 7 साल के बालक की सफल ब्रेन एब्सेस ड्रेनेज सर्जरी की है, बालक की हालत में लगातार सुधार आ रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग 2 से 3 महीनों से कोड़ेनार निवासी 7 साल का राजकुमार मौर्य तेज सिरदर्द से जूझ रहा था, इसके साथ ही उसे बुखार के साथ तेज झटके भी आ रहे थे। गुरुवार की देर शाम बालक के परिजन उसे गंभीर हालत में कॉन्टिनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल (सीसीएसएच) लेकर पहुंचे। यहां डॉ. पवन कुमार बृज ने बालक की

हालत देखी और प्रारंभिक जांच में उसके सिर में मवाद भरे होने की जानकारी मिलते ही तत्काल बालक की सर्जरी करने का निर्णय लिया। बालक की गंभीर हालात को देखते हुए उन्होंने रात में तत्काल ऑपरेशन की व्यवस्था करवाई। सर्जरी शुरू करने से पहले एनेस्थीसिस्ट डॉ. जागृति और डॉ. श्रीदेवी ने बालक को एनेस्थीसिया दिया, जिसके बाद डॉ. बृज ने उसकी ब्रेन एब्सेस ड्रेनेज सर्जरी शुरू की। करीब डेढ़ घंटे तक चली सर्जरी के दौरान बालक के सिर से लगभग 40 मिलीलीटर मवाद निकाला गया। ऑपरेशन के बाद बालक को वार्ड में शिफ्ट कर उसे ऑब्जर्वेशन में रखा गया है, जहां बालक के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आ रहा है। कॉन्टिनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल (सीसीएसएच) के न्यूरोसर्जन डॉ. बृज ने बताया कि यदि बालक की तत्काल सर्जरी नहीं की जाती तो उसकी हालत और ज्यादा बिगड़ सकती थी, जिसके बाद उसे वेंटिलेटर पर रखने तक की नौबत आ जाती, इसीलिए तत्काल ऑपरेशन कर बच्चे की समस्या का उपचार किया गया। उन्होंने बताया कि बच्चे के कान से मवाद आने की समस्या थी, जिसके कारण उसका संक्रमण दिमाग तक फैल चुका था। ब्रेन एब्सेस ड्रेनेज सर्जरी के जरिये अब बालक का सफल ऑपरेशन किया जा चुका है। ऑपरेशन के बाद से उसे अब तक न झटके आये हैं और न ही बुखार आया है। उम्मीद है, जल्दी ही उसे डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

मवाद समस्या को अनदेखा न करें

न्यूरोसर्जन डॉ. पवन बृज ने कहा कि यदि किसी बच्चे के कान से मवाद आने की समस्या हो तो इसे बिल्कुल भी अनदेखा नहीं करना चाहिए, तत्काल डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कई बार लंबे समय से कान से मवाद आने की समस्या का इलाज बेहद आवश्यक है। यदि ऐसा नहीं किया गया तो इससे मरीज की जान भी जा सकती है।

सारांश ने म्यूजिक इंडस्ट्री में रखा कदम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गीदम

सीरियल मेरे साईं में काम कर चुके दंतेवाड़ा के सारांश सिंह ने म्यूजिक इंडस्ट्री में कदम रखा है। उनका डेब्यू गाना मनमानी 17 अप्रैल को रिलीज हुआ है, उन्होंने दंतेवाड़ा से लेकर रायपुर, दुर्ग और धमतरी तक के कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों से मुलाकात कर अपने गाने का पोस्टर साइन करवाया। दुर्ग में एसपी विजय अग्रवाल ने उन्हें फिटनेस के टिप्स और कोरोना काल में डॉग्स पर लिखी

अपनी किताब भेंट की। वहीं धमतरी कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने सारांश की पहली किताब गुंडाधुर लिखवाने में मदद की थी। दंतेवाड़ा कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के साथ उन्होंने क्षेत्र में संगीत महाविद्यालय को लेकर चर्चा की, कांकेर एसपी निखिल राखेचा से मुलाकात के दौरान पता चला कि नारायणपुर कलेक्टर नम्रता जैन जो दंतेवाड़ा जिले की पहली आईएएस अधिकारी हैं। सारांश की सीनियर और ट्यूशन पार्टनर रह चुकी हैं। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय और सीईओ जयंत नाहटा ने सारांश के विज़न की सराहना की। वहीं राजधानी में कलेक्टर गौरव सिंह और डीएसपी नंदिनी ठाकुर ने सारांश के 'मनमानी' सॉन्ग फ्रेम पर हस्ताक्षर कर आर्टिस्ट को समर्थन दिया।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बावासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

चारामा में डिप्टी सीएम साव ने किया मावा मोदोल लाइब्रेरी का शुभारंभ

लाइब्रेरी का अवलोकन कर अध्ययनरत युवाओं से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास, खेलकूल और युवा कल्याण एवं कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने जिले के चारामा में मावा मोदोल लाइब्रेरी का लोकार्पण किया। लोकार्पण पश्चात उन्होंने लाईब्रेरी का अवलोकन कर वहां अध्ययनरत युवाओं से संवाद किया तथा उनसे अपने विद्यार्थी जीवन को साझा करते हुए कहा कि लगन से पढ़ाई करें, सरकार जो सुविधाएं उपलब्ध करा रहीं है, उसका लाभ उठाए और सफल होकर अपने देश-प्रदेश व क्षेत्र का नाम रौशन करें।

लाईब्रेरी के शुभारंभ अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा लगातार बच्चों के भविष्य को गढ़ने का कार्य किया जा रहा है। चाहे दिल्ली मे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराना हो, अथवा प्रदेश में लाईब्रेरी व नालंदा परिसरों की स्थापना, विधार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समूचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। कांकेर जिले में भी जिला प्रशासन द्वारा लगातार बच्चों के लिए अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है, इसी कड़ी में आज मावा मोदोल लाईब्रेरी चारामा का शुभारंभ हो रहा है। पूरे क्षेत्र के बच्चे यहां अच्छे वातावरण में पढ़ाई कर अपना भविष्य गढ़ सकते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों सहित प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे सभी युवाओं एवं उनके पालकों को अपनी शुभकामनाएं भी दी। कुल 43 लाख रूपए की लागत से निर्मित इस सर्वसुविधायुक्त लाईब्रेरी में एक साथ 75 विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। लाईब्रेरी के छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड के अध्यक्ष शालिनी राजपूत तथा जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी उपस्थित थी।

उपस्थित रहे

कार्यक्रम में नगर पंचायत चारामा अध्यक्ष भुनेश्वर नाग, कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, सीईओ जिला पंचायत हरेश मंडावी, जिला शिक्षा अधिकारी रमेश निषाद, महेश जैन, दिलीप जायसवाल, राजा देवनानी, रूखमणी उइके, उमादेवी शर्मा सहित नागरिक और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

महिला आरक्षण बिल का गिरना विपक्ष हुआ बेनकाब : मनोज जैन

कांकेर। भारतीय जनता पार्टी के जिला सह-मीडिया प्रभारी ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल के पारित न हो पाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इसे भारतीय लोकतंत्र के लिए एक काला दिन बताते हुए कहा कि विपक्ष के अड़यिल रवैये और नकारात्मक राजनीति के कारण देश की मातृशक्ति को उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित करने का प्रयास किया गया है। प्रेस को जारी बयान में मनोज जैन ने कहा कि एक ओर विपक्ष महिला सशक्तिकरण की बात करता है, तो दूसरी ओर सदन में ऐसे ऐतिहासिक बिलों को रोकने का षड्यंत्र रचता है। यह बिल गिरना नहीं, बल्कि विपक्ष द्वारा देश की करोड़ों महिलाओं के सपनों को कुचलने का प्रयास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सदैव महिलाओं को नेतृत्वकारी भूमिका देने की पक्षधर रही है। दन में इस बिल का गिरना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन भाजपा की 'नारी शक्ति' के प्रति प्रतिबद्धता अटूट है। जिले सहित पूरे देश की महिलाएं विपक्ष के इस कृत्य को देख रही हैं। आने वाले समय में जनता इन विकास विरोधी ताकतों को कड़ा सबक सिखाएगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और सामर्थ्य का संकल्प है। इसे रोकने वाली ताकतों को इतिहास कभी क्षमा नहीं करेगा। हम इस लड़ाई को सदन से सड़क तक ले जाएंगे। तमाम बाधाओं के बावजूद, भाजपा सरकार महिलाओं को उनका उचित हक दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी।

महतारी एक्सप्रेस 102 की रात्रिकालीन में सेवा ठप

पखांजुर। सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की सुरक्षित स्वास्थ्य सेवा के लिए चलाई जा रही 102 महतारी एक्सप्रेस सेवा अब खुद सवालों के घेरे में आ गई है। यह एम्बुलेंस सेवा रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक पूरी तरह बंद रहने की जानकारी मरीज दे रहे है। ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और भी गंभीर हैं, जहां अस्पताल तक पहुंचने का एकमात्र सहारा यही सेवा है। लेकिन सेवा बंद होने के कारण मजबूरन परिजनों को निजी वाहनों या अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे समय और जान दोनों का खतरा बढ़ जाता है।

निधन

विनोद मेहरा

कांकेर। कांकेर निवासी विनोद मेहरा का निधन 19 अप्रैल को हो गया। उनका अंतिम यात्रा 20 अप्रैल को सुबह 11 बजे निज निवास जनकपुर वार्ड से मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी। अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए। स्व. विनोद मेहरा एक मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। शोक संतप्त परिवार ने परिचितों और शुभचिंतकों से अंतिम विदाई में शामिल होने का आग्रह किया है।

दिवस : बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों का किया गया सम्मान

जेपी इंटरनेशनल स्कूल में स्थापना दिवस पर आरोहण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जेपी इंटरनेशनल स्कूल ने अपने 11 वें स्थापना दिवस आरोहण कार्यक्रम अत्यंत भव्यता, अनुशासन और गरिमा के साथ मनाया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर उत्सवमय वातावरण में सजा हुआ नजर आया, जहाँ रंग-बिरंगी सजावट, आकर्षक मंच व्यवस्था और विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों आदिवासी विकास विभाग की सहायक आयुक्त जया मनु और शाउमावि गोंहाडुर के प्राचार्य अरुण कीर्तनिया की गरिमामयी स्वागत से हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियो ने अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण का एक सशक्त माध्यम है, जो हमें सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि विद्यार्थी अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर निरंतर प्रयास करते रहें, तो वे निश्चित ही अपने जीवन में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेंगे। अपने उद्बोधन के अंत में सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए उन्हें स्कूल, देश और समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य रितेश चौबे द्वारा मंचस्थ अतिथियों व परिजनों का स्वागत करते हुए कहा कि जेपी इंटरनेशनल स्कूल सिर्फ विद्यालय ही नहीं, बल्कि यह एक परिवार है, जिसका सपना पूज्य स्व. प्रताप राय गिदवानी ने देखा था। इन 11 वर्षों में हमने न केवल शैक्षिक क्षेत्र में बल्कि समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल किया। इसके लिए समस्त विद्यार्थियों, पालकों एवं शिक्षकों का आभार मानते हैं। विद्यालय के शैक्षणिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्ट और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शायी है तथा यह प्रतिबद्धता अनवरत जारी रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मोटिवेशनल गीतों से लेकर बंगाली नृत्य, जेपीआईएस थीम डांस, माइम शो एवं राजस्थानी नृत्य जैसी रंगारंग प्रस्तुतियों ने मंच को जीवंत बना दिया। प्रत्येक प्रस्तुति में विद्यार्थियों की कला, आत्मविश्वास और टीमवर्क की झलक स्पष्ट दिखाई दी, जिसे उपस्थित अतिथियों तथा परिजनों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहा।

छात्रों का किया गया सम्मान

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पुरस्कार वितरण समारोह रहा, जिसमें सत्र- 2025-26 में नर्सरी से नवमी और ग्यारहवीं की परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान अर्जित करने वाले तथा विद्यालय में पूरे सत्र में 100 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने वाले विद्यार्थियों को मंचस्थ अतिथियों के कर -कमलों से उनकी कड़ी मेहनत, लगन और उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। इस सम्मान ने विद्यार्थियों में और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा जगाई। संगीत एवं कला के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा द्वारा जेपी स्कूल का परचम कला उत्सव 2025-26 में लहराने वाले विद्यार्थियों जिसमें अवनी सिंह ने हारमोनियम में, आदित्या रथीश ने शास्त्रीय गायन में दिव्यांशु साहू ने तबला वादन में ब्लॉक, जिला तथा राज्य स्तर में अपना स्थान बनाया। कला के क्षेत्र में सानिध्य साहू ने ब्लॉक, जिला, राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर अपना स्थान बनाकर समूचे कांकेर क्षेत्र का नाम रौशन किया, जिसके लिए उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र एवं शिल्ड प्रदान कर उनकी प्रतिभा को सम्मानित किया गया।

ग्राम हाटकोंदल में अक्ती का पर्व पारंपरिक रीति-रिवार्ज से मनाया

दुर्गुकोंदल। विकासखंड दुर्गुकोंदल के ग्राम हाटकोंदल में पारंपरिक अक्ति विवाह शिव-पार्वती विवाह को लेकर तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। गांव में धार्मिक आस्था और उत्सव का माहौल देखने को मिल रहा है। आयोजन की शुरुआत गणेश पूजन, हल्दी एवं मेहंदी की रस्मों के साथ धूमधाम से की गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर आयोजन की सफलता की कामना की गई। इसके पश्चात हल्दी और मेहंदी की रस्म पारंपरिक गीतों और हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुई। गांव की महिलाओं और युवतियों ने मेहंदी रस्म में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वहीं पुरुषों एवं युवाओं ने आयोजन स्थल की सजावट और व्यवस्थाओं में सक्रिय योगदान दिया। ग्रामीणों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिव-पार्वती विवाह पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन गांव की सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक परंपरा का अहम हिस्सा है। ग्रामीणों के अनुसार शिव-पार्वती विवाह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, पारिवारिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का माध्यम भी है। इसमें सभी वर्गों के लोग मिलकर भाग लेते हैं, जिससे आपसी भाईचारा मजबूत होता है। कार्यक्रम में युवराज पटेल, जगदीश, पटेल लीलाधर, पुष्पकुमार भोयर, बहुर यादव, गेंद सिंह, टिकु, गोपाल यादव, सीमा यादव, सजना, टिकेश्वरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पार्किंग से वाहन की चोरी, गार्ड के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कांकेर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चारामा के पार्किंग में खड़ी बाइक को अज्ञात ने चोरी कर लिया। चोरी हुआ वाहन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चारामा के गार्ड का ही है। चोरी कि शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया। चारामा थाना में शिकायत करने पहुंचे बालोद जिला के पुरूर थानांतर्गत ग्राम भैसमुण्डी निवासी 48 वर्षीय रामप्रसाद हनुमान पिता हरखु राम हनुमान ने पुलिस को बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चारामा में गार्ड के पद पर पदस्थ और 18 अप्रैल को सुबह मैं अपने मोटर साइकल क्रमांक सीज 24 ई 6461 में डियूटी के लिए घर से चारामा अस्पताल आया। अपने वाहन का हेंडल लॉक कर पार्किंग के पास खड़ी सुबह 9 बजें खड़ा किया था। उसके बाद दोपहर करीबन 12 बजे मैं अपने वाहन के पास जाकर देखा तो मेरा वाहन नहीं था। किसी अज्ञात चोर द्वारा मेरा वाहन किमत 25 हजार रूपएं को अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था। चोरी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 303 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

अक्षय तृतीया पर गुड्डे-गुड़ियों की शादी में गूंजी शहनाई, बच्चे दिखे उत्साहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

अक्षय तृतीया रविवार को पूरे उत्साह और पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सौभाग्य और अनंत फल देने वाली इस पावन तिथि पर चारों ओर उत्सव का माहौल रहा। सुबह की पहली किरण के साथ ही घरों में विशेष चहल-पहल शुरू हो गई, जहाँ बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस खास दिन की तैयारियों में डूबे नजर आए।

अक्षय तृतीया के अवसर पर होने वाले गुड्डे-गुड़ियों के विवाह ने सबका मन मोह लिया। युवतियों और महिलाओं ने मिलकर लकड़ी और कपड़े से बने गुड्डे-गुड़ियों का सोलह श्रृंगार किया। कहीं गुड्डे को साफा पहनाया गया, तो कहीं गुड़िया को चुनरी और गहनों से सजाया गया। विवाह की रस्में बिल्कुल असली शादियों की तरह निभाई गईं। बच्चों ने बाराती बनकर खूब नृत्य किया, जबकि महिलाओं ने पारंपरिक मंगल गीत गाकर माहौल को भक्तिमय और खुशनुमा बना दिया। फेरे कराए गए और प्रतीकात्मक रूप से प्रीतिभोज का आयोजन भी किया गया। यह परंपरा न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि नई पीढ़ी को हमारी विवाह पद्धतियों और सामाजिक रीति-रिवाजों से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम भी है। अक्षय तृतीया पर किया गया दान और निवेश कभी समाप्त नहीं होता। इसी विश्वास के साथ श्रद्धालुओं ने सुबह पवित्र नदियों में स्नान किया और गरीबों को सत्तू, घड़ा, पंखा और मौसमी फलों का दान किया।

भक्ति और उल्लास की बयार: विशेषकर महिलाओं ने सुख-समृद्धि की कामना के साथ माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की। रविवार को अक्षय तृतीया के इस पर्व ने रिश्तों में मिठास और समाज में सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया। बच्चों की किलकारियां और गुड्डे-गुड़ियों की शादी की धूम ने इस दिन को यादगार बना दिया। डूमर और आम के पत्तों से सजे मंडप त्योहार को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह बच्चों और युवतियों में देखा गया। सुबह होते ही बच्चों की टोलियां मंडप सजाने के लिए सामग्री जुटाने निकल पड़ीं। मंडप सजाने के लिए डूमर और आम के पत्तों की तलाश की गई। ताजे पत्तों और टहनियों से घरों के आंगन में छोटे-छोटे आकर्षक मंडप बनाए गए, जो ग्रामीण और लोक संस्कृति की जीवंत झलक पेश कर रहे थे।

डॉ. अंबेडकर के सिद्धांतों पर संगोष्ठी सामाजिक समरसता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

भारतीय जनता पार्टी कांकेर के तत्वाधान में रविवार 19 अप्रैल को संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों एवं उनके प्रेरणादायी जीवन पर एक गरिमामयी संगोष्ठी का आयोजन डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन, साईं मंदिर के सामने, अंतागढ़ रोड में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने अपने उद्बोधन में बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने पर जोर देते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, समानता और अधिकार पहुंचाना ही उनका मूल उद्देश्य था। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने का आव्हान किया। बयह संगोष्ठी जिला महामंत्री एवं जिला संयोजक जितेंद्र मरकाम के मार्गदर्शन में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता सह-संयोजक एवं बौद्ध समाज अध्यक्ष तथा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला महामंत्री वरुण खापर्डे और मंडल अध्यक्ष डिगेश खापर्डे ने की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के संघर्ष, त्याग और राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा उनके सिद्धांतों को आज के समय में भी प्रासंगिक बताया। इस अवसर पर सामाजिक समरसता भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी वर्गों के लोगों ने

सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में अरविन्द जैन, राजीव श्रीवास, गिरधारी नरेटी, प्रमुख संकेत नसीने, हेमप्रकाश शिवहरे, नरेश जैन, यामिनी जैन, मनोज रावटे, कौशल रामटेके, संगीता टांडिया, हिमांशु ठाकुर, डिकेश साहू, किरण डोंगरे, बृजेश ऊके सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला अधिकारों का गला घोंटने की विपक्षी साजिश बेनकाब : तारा ठाकुर

कांकेर । महिलाओं के अधिकारों को सशक्त और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से संसद में प्रस्तुत किया गया महत्वपूर्ण विधेयक कुछ वोटों के अंतर से गिर जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि देश की मातृशक्ति के सम्मान पर सीधा प्रहार है। यह घटना साफ तौर पर दर्शाती है कि किस प्रकार विपक्ष ने संगठित होकर महिलाओं के अधिकारों को रोकने का प्रयास किया। महिला नेत्री एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष तारा ठाकुर ने इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल एक विधेयक का गिरना नहीं है, बल्कि देश की करोड़ों माताओं, बहनों और बेटियों के सपनों को कुचलने की साजिश है।

उन्होंने कहा कि आज विपक्ष ने यह साबित कर दिया है कि उन्हें महिलाओं के सशक्तिकरण से कोई सरोकार नहीं है, बल्कि वे केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों को लेकर लगातार ऐतिहासिक पहल की जा रही है। उसी कड़ी में यह विधेयक भी एक मजबूत कदम था, जिसे विपक्ष की नकारात्मक और अवसरवादी राजनीति ने रोक दिया। तारा ठाकुर ने कहा कि यह देश की हर महिला के साथ अन्याय है और इसकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है। कांग्रेस की राजनीति हमेशा से महिलाओं को केवल वोट बैंक के रूप में देखने की रही है। जब-जब महिलाओं को वास्तविक अधिकार देने की बात आती है, तब-तब कांग्रेस और उसके सहयोगी उसके रास्ते में बाधा बन जाते हैं। आज विधेयक गिरने पर जश्न मनाना उनके उसी महिला-विरोधी चरित्र को उजागर करता है। तीखे शब्दों में कहा कि महिलाओं के अधिकारों का विरोध करना, उनके सशक्तिकरण को रोकना और फिर उस पर खुशी मनाना न केवल शर्मनाक है, बल्कि यह पूरे समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी भी है। यह घटना देश के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज होगी।